यहाँ से काटिए

Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 21

No. of Printed Pages – 7

SS–21–Hindi Sah.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2025

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2025

हिंदी साहित्य

समय : 3 **घण्टे** 15 **मिनिट**

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

यहाँ से काटिए

खण्ड – अ

प्र.1) बहुविकल्पात्मक प्रश्न : (i से xv) **[15 × 1 = 15]**

i) ''सूरे पुलिस में न जाएगा। रो – धोकर चुप हो जाएगा'' 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ में यह कथन किसने कहा?

अ) भैरों ब) जगधर

स) नायकराम द) ठाकुरदीन

ii) सूरदास राख में क्या खोज रहा था?

अ) घड़ा ब) ईंट

स) पोटली द) लोटा

iii) बिस्कोहर में किस पेड़ के फूल को सूँघने से बर्रे ततैया का डंक झड़ जाता है?

अ) नीम ब) बेर

स) गुडहल द) आम

iv) मालवा में औसत बारिश मानी जाती है –

अ) 35 इंच ब) 50 इंच

स) 60 इंच द) 75 इंच

v) समाचार पत्र 'जनसत्ता' का संपादन व उसे सामाजिक सरोकारों से जोड़ने वाले हैं –

अ) विश्वनाथ ब) प्रेमचन्द

स) रघुवीर सहाय द) प्रभाष जोशी

vi) रीतिकाल के 'रीतिमुक्त' या 'स्वच्छंद काव्यधारा' के प्रतिनिधि कवि हैं –

अ) विद्यापति ब) घनानंद

स) तुलसीदास द) जायसी

vii) 'कीर्तिलता' और 'कीर्तिपताका' के रचनाकार हैं –

अ) तुलसीदास ब) जायसी

स) घनानंद द) विद्यापति

viii) 'भाग्यरेखा' व 'भटकती राख' के रचनाकार हैं –

अ) रघुवीर सहाय ब) केदारनाथ सिंह

स) भीष्म साहनी द) निर्मल वर्मा

ix) ''कल मैंने जाना कि वसंत आया। और यह कैलेण्डर से मालूम था'' पंक्ति में भाव प्रकट हुआ है –

अ) सहानुभूति ब) दया

स) व्यंग्य द) क्रोध

x) 'ढेले चुन लो' लघु निबंध में लेखक ने किस पर चोट की है?
   अ) शिक्षा पद्धति पर
   ब) लोक विश्वासों के नाम पर अंधविश्वासों पर
   स) अशुद्ध भाषा प्रयोग करने वाले कवि–लेखकों पर
   द) भ्रष्टाचार पर

xi) विद्यापति के पद में विरहिणी अपने दोनों आँखें क्यों बंद कर लेती है?
   अ) पुष्पित जंगल देखकर ब) कोयल देखकर
   स) प्रियतम को देखकर द) हिंसक जीवों को देखकर

xii) कहानी में वर्तमान से अतीत में जाना कौनसी तकनीक कहलाती है?
   अ) फ़्लैशबैक ब) फ़्लैश फ़ोरवर्ड
   स) उलटा पिरामिड द) विवरणात्मक शैली

xiii) भरतमुनि के काव्यशास्त्रानुसार नाटक के हरेक अंक की अवधि कम से कम होनी चाहिए –
   अ) 20 मिनट ब) 48 मिनट
   स) 70 मिनट द) 90 मिनट

xiv) 'जब तक खबर के दृश्य नहीं आते एंकर, दर्शकों को रिपोर्टर से मिली जानकारियों के आधार पर सूचनाएँ पहुँचाता है ।' इसे कहते हैं –
   अ) एंकर – विजुअल ब) फ़ोन इन
   स) एंकर – पैकेज द) ड्राई – एंकर

xv) 'जन संचार' के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम है –
   अ) रेडियो ब) टेलीविजन
   स) समाचार पत्र द) इंटरनेट पत्रकारिता

प्र.2) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – (i से vi) **[6 × 1 = 6]**

i) "मंद–मंद मुरली बजावत अधर धरे, मंद–मंद निकस्यो मुकुन्द मधु–बन ते ।" पंक्तियों में .... गुण है ।

ii) जहाँ व्याकरण की दृष्टि से अशुद्ध शब्द का प्रयोग हो वहाँ .... दोष होता है ।

iii) प्रत्येक चरण में जगण, तगण, जगण एवं रगण के क्रम में 12 वर्ण विद्यमान हो, वहाँ .... छंद होता है ।

iv) छप्पय छंद की अंतिम दो पंक्तियाँ .... छंद की होती है ।

v) चुपचाप खड़ी थी वृक्ष–पांत ।
सुनती जैसे कुछ निज बात ।।
पंक्तियों में .... अलंकार है ।

vi) कारण के उपस्थित होने पर भी जब कार्य का न होना वर्णित किया जाये, तब .... अलंकार होता है ।

प्र.3) दिए गए अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – [6 × 1 = 6]

हमारी परंपरा महिमामयी, उत्तराधिकार विपुल और संस्कार उज्ज्वल हैं। हमारे अनजान में भी ये बातें हमें एक खास दिशा में सोचने की प्रेरणा देती है। यह ज़रूर है कि परिस्थितियाँ बदल गयी हैं। उपकरण नये हो गये हैं और उलझनों की मात्रा भी बहुत बढ़ गयी है, पर मूल समस्याएँ बहुत अधिक नहीं बदली हैं। भारतीय चित्त जो आज भी 'अनधीनता' के रूप में न सोचकर 'स्वाधीनता' के रूप में सोचता है, वह हमारे दीर्घकालीन संस्कारों का फल है। वह 'स्व' के बंधन को आसानी से नहीं छोड़ सकता। अपने आप पर अपने–आप के द्वारा लगाया हुआ बंधन हमारी संस्कृति की बड़ी भारी विशेषता है। पुराने का 'मोह' सब समय वांछनीय ही नहीं होता। मरे बच्चे को गोद में दबाये रहने वाली 'बंदरिया' मनुष्य का आदर्श नहीं बन सकती। कालिदास ने कहा था कि सब पुराने अच्छे नहीं होते, सब नए खराब ही नहीं होते। भले लोग दोनों की जाँच कर लेते हैं, जो हितकर होता है, उसे ग्रहण करते हैं, और मूढ़ लोग दूसरों के इशारे पर भटकते रहते हैं।

i) गद्यांश का शीर्षक है।
ii) भारतीय चित्त किस रूप में सोचता है?
iii) हमारी संस्कृति की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता क्या है?
iv) भले व विवेकी लोग क्या करते हैं?
v) मूर्ख लोग कौन होते हैं?
vi) 'बंदरिया' हमारी आदर्श क्यों नहीं हो सकती है?

प्र.4) दिए गए अपठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए – [6 × 1 = 6]

कौन, तुम रूपसि कौन?
व्योम से उतर रही चुपचाप,
छिपी निज छाया छवि में आप,
सुनहला फैला केश – कलाप,
मधुर, मंथर मृदु, मौन !
मूँद अधरों में मधुपालाप,
पलक में निमिष, पदों में चाप,
भाव संकुल बंकिम भ्रू – चाप,
मौन केवल तुम मौन !

i) प्रस्तुत पद्यांश का शीर्षक लिखिए।
ii) रूपसि कहाँ से उत्तर रही है?
iii) रूपसि के केश कैसे हैं?
iv) रूपसि कहाँ छिपी हुई है?
v) रूपसि की वाणी कैसी है?
vi) पद्यांश की भाषा की कोई विशेषता लिखिए।

खण्ड – ब

निर्देश – प्रश्न संख्या 5 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा 40 शब्द हैं ।

प्र.5) शुक्लजी के बाल मन में 'भारतेंदुजी' के संबंध में किस प्रकार के भाव व छवि बसी हुई थी? **[2]**

प्र.6) 'ये लोग आधुनिक भारत के नए 'शरणार्थी' हैं ।' ऐसा लेखक ने किनके लिए और क्यों कहा है? **[2]**

प्र.7) ''दुःख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही !''
प्रस्तुत पंक्तियों में निराला के जीवन के कौनसे पहलू का पता चलता है? लिखिए । **[2]**

प्र.8) ''यह तन जारौं छार कै, कहौं कि पवन उड़ाउ ।
मकु तेहि मारग होइ परौं, कंत धरै जहँ पाउ ।।''
प्रस्तुत पंक्तियों में विरहिणी की क्या इच्छा व्यक्त हुई है? लिखिए । **[2]**

प्र.9) ''अंधापन ही क्या थोड़ी बिपत थी'' ऐसा सूरदास ने क्यों कहा? स्पष्ट कीजिए । **[2]**

प्र.10) ''क्या पशु माताएँ भी ममत्त्व का सुख दे पाती होगी? बिस्कोहर की माटी पाठ के आधार पर अपने विचार प्रकट कीजिए । **[2]**

प्र.11) 'अन्योक्ति' अलंकार को उदाहरण सहित समझाइए । **[2]**

प्र.12) पत्रकार को अच्छे लेखन के लिए ध्यान रखने योग्य कोई चार बातें लिखिए । **[2]**

प्र.13) कहानी के प्रमुख तत्त्व कौन–कौन से होते हैं? **[2]**

प्र.14) 'रेडियों' की वे खूबियाँ जो उसे अन्य माध्यमों से विशिष्ट बनाती है । लिखिए । **[2]**

प्र.15) 'जयशंकर प्रसाद' अथवा 'हजारी प्रसाद द्विवेदी' का साहित्यिक परिचय लिखिए । **[2]**

खण्ड – स

निर्देश – निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए ।

प्र.16) 'यह दीप अकेला' कविता में कवि दीप को पंक्ति को देना क्यों चाहते है? आशय स्पष्ट कीजिए । **[3]**

अथवा

'बनारस' कविता के आधार पर बनारस की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

प्र.17) 'शेर' लघुकथा के माध्यम से लेखक ने व्यवस्था पर किस प्रकार प्रहार किया है? विस्तार से समझाइए । **[3]**

अथवा

''मुझे भूख नहीं है'' नानी चलो खा लें मुझे भूख लगी है ।'' संभव के इन दोनों विरोधाभासी कथनों के आधार पर उसकी मनोदशा का वर्णन कीजिए ।

प्र.18) सूरदास की झोपड़ी नहीं उसके सपनों की चिता जल रही थी । पंक्ति को विस्तार पूर्वक समझाइए । **[3]**

अथवा

मालवा प्रदेश की नदियों व मालवा के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।

खण्ड – द

प्र.19) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **[5]**

दुनिया में त्याग नहीं है, प्रेम नहीं है, परार्थ नहीं है, परमार्थ नहीं है – है केवल प्रचंड स्वार्थ । भीतर की जिजीविषा – जीते रहने की प्रचंड इच्छा ही – अगर बड़ी बात हो तो फिर यह सारी बड़ी–बड़ी बोलियाँ, जिनके बल पर दल बनाए जाते हैं, शत्रुमर्दन का अभिनय किया जाता है, देशोद्धार का नारा लगाया जाता है, साहित्य और कला की महिमा गाई जाती है, झूठ है । इसके द्वारा कोई–न–कोई अपना बड़ा स्वार्थ सिद्ध करता है । लेकिन अंतरतर से कोई कह रहा है, ऐसा सोचना गलत ढंग से सोचना है । स्वार्थ से भी बड़ी कोई–न–कोई बात अवश्य है, जिजीविषा से भी प्रचंड कोई–न–कोई शक्ति अवश्य है । क्या है?

अथवा

''जी नहीं, कोई संवाद नही ।....... ऐसे बड़ी बहुरिया ने कहा है कि यदि छुट्टी हुई तो दशहरा के समय गंगाजी के मेले में आकर माँ से भेंट–मुलाकात कर जाऊँगी ।'' बुढ़ी माता चुप रही । हरगोबिन बोला, ''छुट्टी कैसे मिले? सारी गृहस्थी बड़ी बहुरिया के ऊपर ही है ।''

बूढ़ी माता बोली, ''मैं तो बबुआ से कह रही थी कि जाकर दीदी को लिवा लाओ, यहीं रहेगी । वहाँ अब क्या रह गया है? ज़मीन – जायदाद तो सब चली ही गई । तीनों देवर अब शहर में जाकर बस गए हैं । कोई खोज–खबर भी नहीं लेते । मेरी बेटी अकेली........।''

प्र.20) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **[5]**

तोड़ो तोड़ो तोड़ो

ये ऊसर बंजर तोड़ो

ये चरती परती तोड़ो

सब खेत बनाकर छोड़ो

मिट्टी में रस होगा ही जब वह पोसेगी बीज को

हम इसको क्या कर डालें इस अपने मन की खीज को?

गोड़ो गोड़ो गोड़ो

अथवा

विधि न सकेउ सहि मोर दुलारा । नीच बीचु जननी मिस पारा ।।

यहउ कहत मोहि आजु न सोभा । अपनी समुझि साधु सुचि को भा ।।

मातु मंदि मैं साधु सुचाली । उर अस आनन कोटि कुचाली ।।

फरइ कि कोदव बालि सुसाली । मुकता प्रसव कि संबुक काली ।।

सपनेहुँ दोसक लेसु न काहू । मोर अभाग उदधि अवगाहू ।।

बिनु समुझें निज अघ परिपाकू । जारिउँ जायँ जननि कहि काकू ।।

हृदय हेरि हारेउँ सब ओरा । एकहि भाँति भलेंहि भल मोरा ।।

गुर गोसाइँ साहिब सिय रामू । लागत मोहि नीक परिनामू ।।

प्र.21) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लिखिए । **[6]**

अ) स्वदेशी का महत्त्व

ब) योग का महत्त्व

स) राष्ट्रनिर्माण में युवाओं की भूमिका

द) भारत का गौरवशाली इतिहास

⌘⌘⌘

DO NOT WRITE ANYTHING HERE